

दूरी का अंदाज करना (Judging distance)

अग्नि प्रकाश शर्मा

विभागाध्यक्ष

रक्षा एवं सत्रातजिक अध्ययन विभाग,

उदय प्रताप कालेज, वाराणसी

सेना में विभिन्न हथियारों के मार की दूरी भिन्न-भिन्न होती है। अतः प्रत्येक हथियार का सही जगह फायर कराने के लिए यह जरूरी है कि सैनिक अपने तथा फायर डालने वाले स्थान की दूरी ज्ञात करें। अतः समय एवं सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण तथ्यों को दृष्टि में रखकर सैनिकों को दूरी का अनुमान लगाना (Judging Distance) भली प्रकार आना चाहिए ताकि शत्रु की उचित देखभाल हो सके और उस पर शीघ्रता के साथ प्रभावशाली फायर डाला जा सके।

साधारणतया एक पैदल सैनिक 300 गज की दूरी से ऊपर फायर नहीं खोलता परन्तु उसे 1,000 गज की दूरी का अनुमान लगाना आना चाहिए जिससे-

- I. वह सहायक शस्त्रों (Supporting Arms) का सही लक्ष्य-निर्देशन कर सके, और
- II. देखभाल के समय शत्रु का सही व पूर्ण विवरण भेज सके।

दूरी अनुमापन की विधियाँ -

दूरी का अनुमान लगाने के लिये मुख्यतः दो विधियों का प्रयोग किया जाता है -

1. फायर का प्रभाव देखकर (Observation by fire)
2. आँख द्वारा देखकर (Observation through Eye)

1. फायर का प्रभाव देखकर (Observation by fire) - इस विधि के अन्दर, जब गोलियाँ भूमि के निर्धारित लक्ष्य पर गिरती या शत्रु को हताहत करती हैं तो उन्हें देखा जा सकता है और दूरी का अनुमान लगाया जा सकता है। साधारणतः एक हल्की मशीनगन (L.M.G.) की गोलियाँ 200 गज की दूरी पर गिरकर धूल उड़ाती हैं। परन्तु इस विधि में कठिनाई यह है कि-

- A. गोलियों का प्रभाव हर समय व हर प्रकार की भूमि पर नहीं देखा जा सकता।
- B. मितव्ययता के दृष्टिकोण से गोलियाँ व्यर्थ हो जाती हैं।
- C. गोलियों के चलने से उत्पन्न आवाज व चमक से शत्रु हमारी स्थिति का पता सरलता से लगा सकता है और इस प्रकार शत्रु पर आश्चर्य कर देने वाला अप्रत्याशित आक्रमण नहीं हो सकता।

2. आँख द्वारा देखकर (Observation through Eye) - आँखों द्वारा देखभाल करके दूरी का अनुमान लगाने के मुख्य तरीके निम्नवत हैं-

- A.** इकाई का तरीका (Unit Method)- इसमें कोई सुविधाजनक ईकाई लेकर अपने तथा टारगेट के बीच की दूरी का अंदाज करते हैं ।
- B.** दिखाई का तरीका (Appearance method) - विभिन्न दूरी पर मनुष्य की शकल निम्न तरह की दिखाई पड़ती है -
- 200 गज की दूरी पर शरीर के सभी अंग स्पष्ट दिखाई पड़ते हैं ।
 - 250 गज की दूरी पर घुटने के बल खड़े आदमी को फोरसाइट का ब्लेड ढक लेता है।
 - 300 गज पर चेहरे का रूप धुंधला पड़ जाता है अर्थात् चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं देता है ।
 - 400 गज पर शरीर के आकार में कोई परिवर्तन नहीं लेकिन चेहरा नहीं पहचाना जा सकता है तथा खड़े आदमी को फोरसाइट का ब्लेड ढक लेता है ।
 - 500 गज पर शरीर व सिर लगभग मिल जाते हैं। केवल अंगों की हरकत देखी जा सकती है।
 - 600 गज पर मनुष्य का सिर एक बिन्दु की तरह प्रतीत होता है। शेष शरीर की कोई हरकत नहीं देखी जा सकती है।
- 3. अभिवार विधि (Bracketing method)** - इसमें किसी स्थान की अधिकतम तथा न्यूनतम दूरी ज्ञात करके दोनों को जोड़कर उसमें दो का भाग देकर दूरी का ज्ञात की जा सकती है।
- 4. सेक्शन औसत विधि (Section Average method)** - इसमें प्रत्येक सेक्शन के जवान से दूरी का अंदाज कराके नोट किया जाता है फिर जोड़ में जवानों की संख्या का भाग देकर औसत निकाल लेते हैं।
- 5. आधार दूरी विधि (Key-Range Method)** - इसमें किसी ऐसी वस्तु की सहायता से दूरी का पता लगाते हैं जिसकी दूरी पहले से ज्ञात हो। जैसे - टेलीफोन के खंबे, बिजली के खंबे, सड़क के पत्थर आदि।
- 6. अर्द्धन विधि (Halving Method)** - इसमें सैनिक व लक्ष्य के मध्य किसी वस्तु को चुन लिया जाता है फिर उस वस्तु की दूरी का अंदाज लगाकर उसे दुगुना कर देते हैं।

दूरी अनुमापन को प्रभावित करने वाली बातें-

(Factors Effecting judging Distance)

'दूरी अनुमापन' की कोई भी विधि प्रयोग की जाये लेकिन दूरी का बिल्कुल सही अनुमान नहीं लगाया जा सकता है क्योंकि दूरी के अनुमापन पर मौसम, भूमि की आकृति तथा रोशनी आदि का बहुत प्रभाव पड़ता है। दूरी का अनुमापन कम या अधिक निम्नलिखित कारणों से ज्ञात होता है -

A - लक्ष्य अधिक निकट दिखाई पड़ता है - जब

- रोशनी चमकीली है या सूर्य की चमक लक्ष्य पर पड़ रही हो।
- लक्ष्य अन्य बनावटों की तुलना में बड़ा हो।
- अवलोकक व लक्ष्य के बीच में कुछ छिपी भूमि हो।
- अवलोकक पहाड़ी अथवा ऊंचाई की तरफ देख रहा हो।
- भूमि बर्फ से ढकी हो।

B - लक्ष्य अधिक दूर दिखाई पड़ता है - जब

1. प्रकाश हल्का हो या प्रकाश लक्ष्य के पीछे से आकर अवलोकक की आंखों पर पड़ रहा हो।
2. लक्ष्य अन्य बनावटों की तुलना में छोटा हो।
3. अवलोकक एक घाटी के आर-पार देख रहा हो।
4. लक्ष्य किसी नीची सतह पर स्थित हो।
5. दृष्टि की रेखा लक्ष्य तक किसी तंग मार्ग से गुजर रही हो।